



# NRCCWF



News

National Research Centre on Coldwater Fisheries

Vol. 9 No. 2

July-December, 2006

## FROM DIRECTOR'S DESK

Dear Readers,

I feel immense pleasure to present the current issue of NRCCWF News. This Newsletter brings forth some of the research achievements and other activities of the centre.

As it is well known that the aquatic resources of Himalayan region are vast, rich and diversified. They are the repositories of the country's water resources being drained by major river systems. The scientific resource assessment of uplands has not received much attention though these contribute significantly to the region from socio-economic view point in terms of fishery. Geoinformatics has become a modern tool to create the authentic database in limited time; those can be used not only for scientific management of water bodies but also will provide the opportunities of exploring the suitable sites for fisheries development. Presently based on satellite imageries the digitization and mapping of lakes, reservoirs and rivers of Uttarakhand has been accomplished by the centre. Further, the data belonging to various coldwater fish species has been computerized in the form of database by the centre. The data on the various coldwater fishes of Himalayan region has been structured for its quick and efficient retrieval of scientific information for analysis and interpretation.

Efforts are also being made to bring the hill states of country under a common platform to assess the common as well as area wise issues so that the coldwater fisheries gets a boost in the coming years.

## निदेशक की कलम से !

राष्ट्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान केन्द्र के समाचार पत्र का यह संस्करण प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। यह समाचार पत्र केन्द्र की मुख्य अनुसंधान उपलब्धियों एवं अन्य गतिविधियों को प्रस्तुत करता है।

हिमालय क्षेत्र में जल संसाधन व्यापक तथा विविधतापूर्ण हैं। ये हमारे देश के विशाल जल भण्डार हैं, जिनसे देश की प्रमुख नदियां निकलती हैं परन्तु अब तक पर्वतीय क्षेत्र के संसाधनों का वैज्ञानिक रूप से मूल्यांकन नहीं किया गया है, जबकि ये मात्स्यिकी विकास की दृष्टि से इस क्षेत्र की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भूगर्भिक सूचना प्रणाली एक निश्चित समय में प्रमाणिक आंकड़े एकत्र करने का एक आधुनिक साधन बन गई है, जिनका प्रयोग न केवल जल स्रोतों के वैज्ञानिक प्रबन्धन में बल्कि मात्स्यिकी के विकास हेतु उचित स्थलों की खोज में भी किया जा सकता है। वर्तमान में केन्द्र द्वारा उपग्रहों से प्राप्त चित्रों के आधार पर उत्तराखण्ड की नदियों, झीलों व जलाशयों का कुंजीकरण (Digitization) एवं मानचित्रण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा शीतजल मत्स्य प्रजातियों से सम्बन्धित आंकड़ों को कम्प्यूटर में संकलित भी किया जा चुका है। यह डाटाबेस प्रयोगकर्ताओं के अनुसार सूचनाओं को पुनः प्राप्त व संग्रह करने के लिए पर्याप्त है।

देश के पर्वतीय राज्यों को एक समान स्थान पर लाने के लिए प्रयास जारी है जिससे क्षेत्रवार समस्याओं का मूल्यांकन किया जा सके, ताकि आने वाले वर्षों में शीतजल मात्स्यिकी के स्तर को ऊंचा उठाया जा सके।

Short term training courses were organized for the personnel's of State Fisheries Department of Manipur and THDC, Tehri with the aim to upgrade their skills in the field of golden mahseer breeding and rearing.

The meeting of the 'Priorities in Biotechnology Research in Fisheries and Aquaculture during the XI Plan' was held at the centre on September 22-23, 2006. Dr. S. Ayyappan, DDG (Fy) chaired the meeting. The meetings of Rajbhasha Committee and Institute's Joint Staff Council were also convened regularly as per schedule. In addition, the Hindi Pakhwada and Foundation Day of the centre were also celebrated with great fervor by the all the staff members of the centre.

I trust that the contents of this newsletter will be useful and informative to all the personnel's working in the field of coldwater fisheries. The NRCCWF will appreciate inputs from its readers as of their field of work related to coldwater fisheries and any suggestions to improve the contents and scope of the newsletter in our forth coming issues.

P.C. Mahanta

सुनहरी महासीर के पालन-पोषण एवं प्रजनन के क्षेत्र में दक्षता हासिल करने के उद्देश्य से राज्य मत्स्य विभाग, मणीपुर के कर्मियों एवं टिहरी हाइड्रो इलेक्ट्रिक डिवलपमेंट कारपोरेशन टिहरी, के प्रशिक्षुओं के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किये गए।

“प्राओरिटिज इन बायोटेक्नोलोजी रिसर्च इन फिशरीज एण्ड एक्वाकल्चर ड्यूरिंग द XI प्लान” पर बैठक 22-23 सितम्बर, 2006 को राष्ट्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान केन्द्र, भीमताल में डा. एस. अयप्पन (उपमहानिदेशक मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में हुई। संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं संयुक्त कर्मचारी परिषद की बैठकें अपने निश्चित समय अंतराल में सम्पन्न हुईं। इसके अतिरिक्त संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा एवं स्थापना दिवस भी गर्मजोशी के साथ मनाया गया।

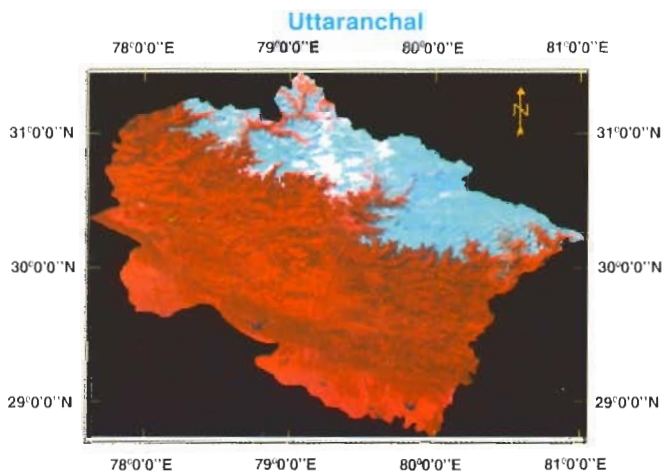
मैं विश्वास दिलाता हूँ यह समाचार पत्र शीतजल मात्स्यिकी के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। शीतजल मात्स्यिकी से जुड़े अध्ययनकर्ता यदि इस समाचार पत्र के लिए कोई लेख अथवा सुझाव देना चाहें तो वह भी ग्राह्य हैं।

पी. सी. महंता

## NEWS FROM RESEARCH FRONT

### Characterization of fishery resources of Uttarakhand by using Geoinformatics

- Coldwater fishery resources of Uttarakhand were characterized using GIS. Based on satellite imageries the perimeter and area of reservoirs of Kumaon and Garhwal regions were



## अनुसंधान समाचार

### भूगर्भिक सूचना प्रणाली के प्रयोग के आधार पर उत्तराखण्ड के मात्स्यिकी संसाधनों का वर्गीकरण

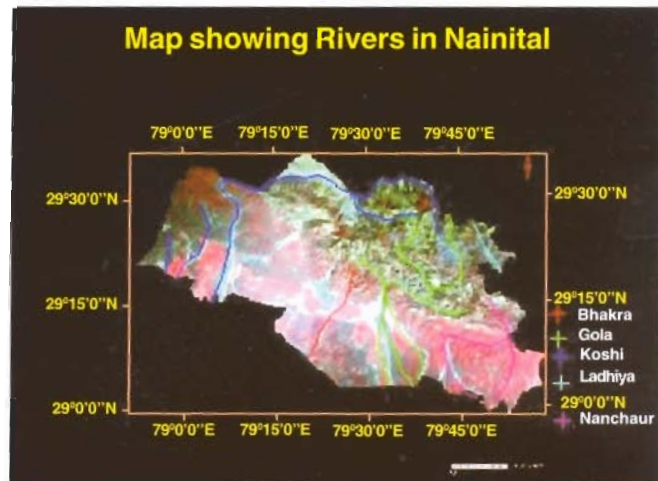
- भूगर्भिक सूचना प्रणाली के प्रयोग के आधार पर उत्तराखण्ड के मात्स्यिकी संसाधनों का वर्गीकरण किया गया। उपग्रह से प्राप्त चित्रों के आधार पर उत्तराखण्ड व गढ़वाल में स्थित प्रमुख संसाधनों का पता लगाया गया। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड में बहने वाली सभी 22 नदियों को उनकी लम्बाई व प्रवाह दर के आधार पर नक्शे में प्रदर्शित किया गया।
- गढ़वाल क्षेत्र में स्थित अर्वाताल, बजवारीताल, दुअरियाताल, गांधी सरोवर, गोहनाताल, हेमकुण्ड, कासनीताल, खोलियाताल, लामाताल, नन्दीकुण्ड, पान्याताल, सस्नुताल, सतरताल, वासूकिताल एवं कुमायूं क्षेत्र में स्थित नैनीताल, भीमताल, नौकुचियाताल, सातताल, गरुड़ताल, खुर्पाताल, व श्यामताल

ascertained. In addition all the 22 rivers flowing through Uttarakhand were also mapped to define their length and course of flow.

- The lakes Arwatal, Bajwarital, Duriatal, Gandhi Sarovar, Gohnatal, Hemkund, Kashnital, Kholiya, Lamatal, Nandikund, Panyatal, Sastratal, Satratal and Vasukital in Garhwal region. In Kumaon region the lakes Nainital, Bhimtal, Naukuchiatal, Sattal, Garurtal, Khurpatal and Shyاملatal and reservoirs of tarai region viz., Nanaksagar, Baigul, Dhaura, Baur, Haripura, Tumuria, Ramganga-sagar and Sardarsagar were studied.
- The total length of the rivers namely, Alaknanda, Asan, Bhagirathi, Bhakra, Dhauliganga, Ganga, Gola, Goriganga, Kali, Koshi, Ladhiya, Mandakini, Nandhaur, Pilakhar, Pinder, Ramganga-W, Ramganga-N, Solani, Song, Sarju, Tons and Yamuna was defined.

#### Database on coldwater fishes of India

- Data on different coldwater fish species belonging to different families was collected, analyzed and computerized in the form of database. The database includes the collection of inter-related data sets, which contain information about the particular entity and the database management system is a collection of interrelated files and set of programmes to allow user to add, access and modify the data.
- The database is efficient in storing and retrieving information according to user's requirement. An attempt has been made to store all the coldwater fishes, which are available in Indian uplands and programmes have been developed with various structural databases. Database systems are designed in such a way to manage large number of information. Microsoft Visual Basic 6.0 software has been used in developing the forms as front-end tool and Microsoft Access 2000 for tables as back-end tool.
- This database includes various modules such as fish species distribution, distinguishing characters, fishery information, present status, commercial importance, working group and references with scientific photograph of the

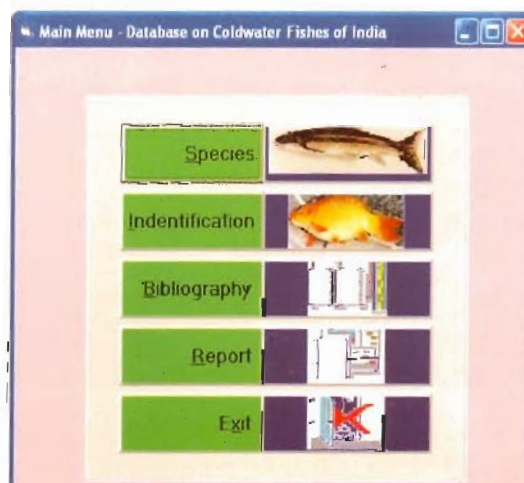


एवं तराई क्षेत्र के जलाशयों जैसे-नानकसार, वैगुल, धौरा, बौर, हरिपुरा, तुमड़िया, रामगंगासागर व सरदारसागर, आदि का अध्ययन किया गया।

- अलकनंदा, असन, भागीरथी, भाखड़ा, धौलिंगंगा, गंगा, गोला, गोदिगंगा, काली, कोसी, लधिया, मंदाकिनी, नन्धौर, पिलाखार, पिंडर, रामगंगा-पश्चिमी, रामगंगा-उत्तरी, सोलानी, सौंग, सरजू, टौंस व यमुना नदियों की कुल लम्बाई परिभाषित की गई।

#### भारत के शीतजल मत्स्य प्रजातियों पर डाटाबेस

- विभिन्न पारिवारिक समूह की शीतजल मत्स्य प्रजातियों के डाटाबेस समूह को एकत्रीकरण कर के विश्लेषणात्मक आंकड़ों को डाटाबेस के रूप में कम्प्यूटरीकृत किया गया।
- यह डाटाबेस प्रयोगकर्ताओं की आवश्यकता के अनुसार सूचनाओं को पुनः प्राप्त व संग्रह करने के लिये पर्याप्त है।





individual species. Another module is also developed to give an idea to identify the fish species through distinguish characters.

### Fisheries development in NEH region

Status of fish in the drainage system of Arunachal Pradesh indicates high diversity in number of available species due to diversified climate and topography of the habitat. A total of 137 species having both food and ornamental value have been recorded in the state from the wild. The distribution of the fish in different rivers and water bodies along the altitude has also been surveyed. Besides, many introduced fish species (both EC+IMC) are being farmed by the people inhabiting the lower and middle altitude zone of the state. Exotic trouts are available in the area of high altitude of East and West Kameng district of the state due to ranching programme of the state Fisheries Department from their Sergaon trout hatchery.



Based on preliminary survey in Arunachal Pradesh, 14 farmers having ponds and some back

सभी शीतजल मत्स्य प्रजातियां जो कि भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में उपलब्ध हैं, उनसे सम्बन्धित सूचनाओं को संग्रहित किया गया। साथ ही विभिन्न आंकड़ों को माइक्रोसॉफ्ट विजुवल बेसिक 6.0 सॉफ्टवेयर के अन्तर्गत समाविष्ट किया गया।

- इन सूचना आंकड़ों में विभिन्न मौड्यूल जैसे-मत्स्य प्रजातियों का वितरण, प्रमुख विशेषताएं, मात्स्यिक सूचनाएं, वर्तमान स्तर, व्यवसायिक महत्ता, कार्यशील वर्ग तथा प्रजातियों के वैज्ञानिक चित्रों सहित संदर्भ आदि को सम्मिलित किया गया। इसके साथ ही एक अन्य माड्यूल भी विकसित किया गया जिसमें मत्स्य प्रजातियों एवं उसकी विशेषताओं को पहचानने में मदद मिल सके।

### उत्तर पूर्वी क्षेत्र में मात्स्यिकी विकास



अरुणाचल प्रदेश के मत्स्य आवास स्थलों की प्रकृति एवं जलवायु में भिन्नता के कारण नदी-नालों में अनेक मत्स्य प्रजातियां पायी जाती हैं। इस राज्य में 137 मत्स्य प्रजातियां (खाद्य एवं सजावटी महत्व) पायी गई हैं। विभिन्न उंचाई पर बहने वाली नदियों एवं जल स्रोतों में रहने वाली मछलियों का भी सर्वेक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त इस राज्य में निम्न एवं मध्यम उंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों द्वारा मत्स्य पालन भी किया गया। विदेशी ट्राउट इस राज्य में अधिक उंचाई वाले पश्चिमी व पूर्वी केमांग जिले के पूर्वी व पश्चिमी क्षेत्रों में उपलब्ध है। राज्य मात्स्यिकी विभाग अपनी शेरगांव स्थित ट्राउट हैचरी में इसका पालन-पोषण करता है और उंचाई वाले जल स्रोतों में संचय करता है।

अरुणाचल प्रदेश में किए गए प्रारम्भिक सर्वेक्षण के आधार पर तीन जिलों के अन्तर्गत 14 मत्स्य कृशकों के जिनके पास अपने मत्स्य तालाब हैं और पहले से ही मत्स्य पालन का कार्य कर रहे



Institute. The staff members participated in the events with great enthusiasm and the winners were awarded. The Hindi week was concluded along with the Foundation Day celebration.

## Foundation Day

NRCCWF's Foundation Day was celebrated on September 25, 2006. The day was marked by hawan-puja in the morning. Dr. P.C. Mahanta,



Director welcomed all the staff members and encouraged them to work together for the betterment and development of the institute. On the occasion Dr. H.S. Gupta, Director, VPKAS (ICAR), Almora gave presentation on staff building. The occasion was graced by Mrs. Eknath and Dr. A.E. Eknath as



Chief Guest, Smt. Chitra Thapa, Chairperson, Nagar Panchyat, Bhimtal and officials from other government institutions attended the programme. On the occasion a book on Rajbhasha Karyanvayan published by the Hindi Cell of the Centre was released.

आयोजित की गई। जिसमें कर्मचारीयों द्वारा बड़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। हिन्दी सप्ताह समारोह का समापन दिवस, संस्थान स्थापना दिवस के साथ मनाया गया।

## स्थापना दिवस

दिनांक 25 सितम्बर, 2006 को संस्थान का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर निदेशक डा. पी.सी. मंहता ने



सभी कर्मचारियों का स्वागत किया और उन्हें संस्थान के बेहतर विकास के लिये आपसी सौहार्द के साथ मिलजुलकर कार्य करने के लिये प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के निदेशक, डा. एच.एस.



गुप्ता ने कर्मचारियों के आपसी सौहार्द पर एक स्लाइड प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्रीमती एकनाथ एवं श्री ए.ई. एकनाथ ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष, भीमताल, श्रीमती चित्रा थापा व अन्य सरकारी संस्थानों के सदस्यों ने भी भाग लिया।

## ENGAGEMENTS

- Dr. P.C. Mahanta, Director and Dr. Shyam Sunder, Principal Scientist participated in National Seminar on 'Conservation and Rehabilitation of Golden Mahseer in Rivers of North East India' organized by Assam (Bhorelli) Angling and Conservation Association at ECO-CAMP, village Nameri, Potsali, near Tezpur (Assam) during October 26-27, 2006.
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Meeting of the Working Group on Fisheries for XI Plan held at CIFRI, Barrackpore during August 21-22, 2006.
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Meeting on Vision 2020 Perspective Plan held at ICAR, New Delhi during August 28 -29, 2006
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Inauguration function of NFDB at ANG Ranga University, Hyderabad during August 9, 2006.
- Dr. P.C. Mahanta, Director and Dr. Rajeev Kapila, Senior Scientist attended the National Workshop on Fish Introduction in India: Status, Challenges & Potentials organized at NBFGR, Lucknow during September 16-17, 2006.
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Meeting of the XI Plan Working Group on Fisheries at NASC, KAB II, New Delhi during October 31 and November 1, 2006
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Seed Certification Meeting at NASC, KAB II, New Delhi during November 2, 2006
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Director's Conference during November 3 -4, 2006
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Meeting of the National Fisheries Development Board (NFDB) at Guwahati during November 20, 2006

## सहभागिता

- दिनांक 26-27 अक्टूबर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक व डा. श्यामसुन्दर, प्रधान वैज्ञानिक ने असम ऐंगलिंग एण्ड कंजरवेशन एशोसिएशन द्वारा इको-कैम्प, ग्राम-पोटसाली, तेजपुर असम में "कंजरवेशन एण्ड रिहैबिलिटेशन औफ गोल्डन महसीर इन रिवरर्स औफ नोर्थ ईस्ट इण्डिया" पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।
- दिनांक 21-22 अगस्त, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक, ने सी.आई.एफ.आर.आई., बैरखपुर में "वर्किंग ग्रुप औन फिशरीज फौर इलैवल्थ प्लान" पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 28-29 अगस्त, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में "विजन 2020 परस्पैक्टिव प्लान" पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 9 अगस्त, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने ए.एन.जी. रंगा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में एन.एफ.डी.वी. के उद्घाटन में भाग लिया।
- दिनांक 16-17 सितम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक एवं राजीव कपिला, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने लखनऊ में "फिश इन्ट्रोडक्शन इन इण्डिया: स्टेटस, चैलेंज एण्ड पोटीनशियल" पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 31 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 2006 तक डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने एन.ए.एस.सी., के.ए.वी. II, नई दिल्ली में "इलैवल्थ प्लान वर्किंग ग्रुप औन फिशरीज" पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 2 नवम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने एन.ए.एस.सी., के.ए.वी. II, नई दिल्ली में "सीड सार्टिफिकेशन" पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 3-4 नवम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने "डाइरैक्टर्स कानफ्रेंस" में भाग लिया।
- दिनांक 20 नवम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने गोहाटी में आयोजित "नेशनल फिशरीज डिवलपमेंट बोर्ड (एन.एफ.डी.वी.)" की बैठक में भाग लिया।

- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the Zonal Workshop on Policy Issues and HRD in Fisheries and Aquaculture for North Eastern States organized at Guwahati during December 7 -8, 2006
- Dr. P .C. Mahanta, Director attended the National Consultation on "Entrepreneurship for Industrial Aquaculture" at Kolkata during December 9,2006
- Dr. P.C. Mahanta, Director attended the two days Awareness cum interface meet on Aquaculture and Fisheries organized by NBFGR, Lucknow in collaboration with Department of Fisheries, Government of U .P . sponsored by NFDB during December 21, 2006
- Dr. P.C. Mahanta, Director, Dr. Rajeev Kapila, Senior Scientist and Sh. Prem Kumar, Scientist (SS) attended the National Seminar on "Environmental Scenario: Challenges and Solutions" and 26th Annual Session of the Academy of Environmental Biology at APS University, Rewa, M.P. December 23-24, 2006.
- दिनांक 7-8 दिसम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिये "पौलिसी इश्यूज एण्ड एच.आर. डी. इन फिशरीज एण्ड एक्वाकल्चर फौर नोर्थ एस्टर्न स्टेट्स" पर आयोजित जोनल कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 9 दिसम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने कोलकता में "इन्टरप्रिनरशिप फौर इन्डस्ट्रियल एक्वाकल्चर" पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्श में भाग लिया।
- दिनांक 21 दिसम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक ने एन.एफ.डी.वी. द्वारा प्रायोजित राज्य मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार तथा एन.वी.एफ.जी.आर., लखनऊ के संयुक्त त्तवाधान में "एक्वाकल्चर एण्ड फिशरीज" पर आयोजित दो दिवसीय जनजागरण कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 23-24 दिसम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक, राजीव कपिला, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं श्री प्रेम कुमार, वैज्ञानिक (SS) ने ए.पी.एस. विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश में "इन्वारयन्मेंटल सिनेरियो: चैनेजेस एण्ड सौल्यूसन पर राष्ट्रीय सेमिनार व 26" एन्वल सेशन औफ एकेडमी औफ इन्वारयन्मेंटल बायोलौजी" में भाग लिया।

## HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

### Training



- NRCCWF, Bhimtal imparted training to the Fisheries personnel's from Manipur State Fisheries Department on 'Brood Stock

## मानव संसाधन विकास

### प्रशिक्षण

- दिनांक 14-22 जुलाई, 2006 को राष्ट्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान केन्द्र, भीमताल एवं चम्पावत में मणिपुर राज्य के मत्स्य विभाग के कर्मचारियों के लिये "ब्रूड स्टॉक मैनेजमेंट एण्ड सीड प्रोडक्शन औफ हिमालय महासीर" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक 4-7 सितम्बर, 2006 को राष्ट्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान केन्द्र, भीमताल में परामर्श कार्यक्रम के अन्तर्गत टिहरी हाइट्रो डिवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, टिहरी, गढ़वाल के कर्मचारियों के लिये "ब्रीडिंग एण्ड रिअरिंग आरस्पैक्ट्स औफ महासीर" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।



Management and Seed Production of Himalayan Mahseer' during July 14-22, 2006 at both NRCCWF, Bhimtal and Champawat.



- Under the consultancy programme the Institute imparted training to the officials of Tehri Hydro Development Corporation Limited, Tehri, Garhwal on 'Breeding and Rearing Aspects of Mahseer' during September 4- 7, 2006 at NRCCWF.

## AWARDS

## पुरस्कार

- Dr. P.C. Mahanta, Director was honored with 2006 Dalela Oration Award by Academy of Environmental Biologist at APS University, Rewa on December 23, 2006.



- दिनांक 23 सितम्बर, 2006 को डा. पी.सी. मंहता, निदेशक को ए.पी.एस. विश्वविद्यालय, रीवा, में अकेडमी ऑफ इन्वायरन्मेंटल बायोलिस्ट्स द्वारा वर्ष 2006 का "दलेला आरेशन" पुरस्कार प्रदान किया गया।

- Shri. N.O. Singh, Scientist was awarded for passing PRABODH examination of Government of India, Ministry of Home Affairs, Department of Official Language.

- श्री एन.ओ. सिंह, वैज्ञानिक ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की "प्रबोध" परीक्षा उत्तीर्ण की।

- Dr. Madan Mohan, Principal Scientist was conferred "Fellowship of year-2005 Award" by National Environmental Science Academy at Punjab University, Chandigarh on 16th Sept., 2006.



- डा. मदन मोहन, वरिष्ठ वैज्ञानिक को दि. 16 सितम्बर, 2006 को राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में "फैलोशिप ऑफ ईयर-2005" पुरस्कार प्रदान किया गया।

## VISITORS

The following dignitaries visited the Institute during July to December 2006:

Dr. S. Ayyappan, Deputy Director General (Fisheries), ICAR; Dr. Mayee, Chairman, ASRB, ICAR, New Delhi; Dr. A.E. Eknath, Chief Scientific Director & Senior Vice President, Genomar, Norway, Smt. Chitra Thapa, Chairperson, Nagar Panchyat, Bhimtal; Prof. M. Chandrasekaran, Department of Biotechnology, Cochin University of Science and Technology, Kochi; Dr. H.S. Gupta, Director, VPKAS, Almora; Dr. T.J. Rasool, Station Incharge, IVRI, Mukteshwar; Dr. S.D. Singh, Principal Scientist, CIFE, Mumbai; Dr. Aparna Chaudhari, Senior Scientist, CIFE, Mumbai; Dr. K.V. Rajendran, Senior Scientist, CIFE, Mumbai; Dr. T.C. Santiago, Principal Scientist, CIBA, Chennai; Dr. M. Sashi Shekhar, Senior Scientist, CIBA, Chennai; Dr. K.K.



Vijayan, Principal Scientist, CMFRI, Kochi; Dr. P.C. Thomas, Principal Scientist, CMFRI, Kochi; Dr. P. Jayasankar, Senior Scientist, CMFRI, Kochi; Dr. P. Das, Senior Scientist, CIFA, Bhubaneswar; Dr. Samiran Nandi, Senior Scientist, CIFA, Bhubaneswar; Dr. P. Routray, Senior Scientist, CIFA, Bhubaneswar; Dr. A. Gopalakrishna, Senior Scientist, NBFGR Centre, Kochi; Dr. Kuldeep K. Lal, Senior Scientist, NBFGR, Lucknow; Dr. G. Rathore, Senior Scientist, NBFGR, Lucknow; Dr. P.P. Srivastava, Senior Scientist, NBFGR, Lucknow; Dr. Manoj P. Brahmane, CIFRI, Barrackpore, Kolkata; Dr. Praveen Maurye, Scientist, CIFRI, Barrackpore, Kolkata; Dr. Toms C. Joseph, Scientist, CIFT, Kochi and Dr. Rakesh Kumar, Scientist, CIFT, Kochi.

## आगन्तुक

जुलाई-दिसम्बर, 2006 में संस्थान का निम्नलिखित सदस्यों द्वारा भ्रमण किया गया:-

डा. एस. अय्यप्पन (उपमहानिदेशक मात्स्यसकी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; डा. मायी, अध्यक्ष ए.एस. आर.वी., भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; श्रीमती चित्रा थापा, जिला पंचायत अध्यक्ष, भीमताल; डा. ए.ई. एकनाथ, मुख्य वैज्ञानिक, निदेशक एवं वरिष्ठ उप सभापति, जिनोमार, नार्वे; प्रो. एम. चन्द्रशेखरन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कोचीन विश्वविद्यालय, कोच्ची; डा. एच.एस. गुप्ता, निदेशक, विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा; डा. टी.जे. रसूल, प्रभारी अधिकारी, आई.वी.आर.आई., मुक्तेश्वर; डा. एस.डी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, सी.आई.एफ. ई, मुम्बई; डा. अपर्णा चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.ई., मुम्बई; डा. वी.के. राजेन्द्रन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.ई., मुम्बई; डा. टी.सी. सैटियागू, प्रधान वैज्ञानिक, सी.आई.वी.ए., चिन्नई; डा. एम. शशिशेखर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. के.के. विजयन, प्रधान वैज्ञानिक, डा. पी.सी. थोमस, प्रधान वैज्ञानिक, सी.एम.एफ.आर.आई., कोच्ची; डा. पी. जयशंकर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी.एम.एफ.आर.आई., कोच्ची; डा. पी. दास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.ए., भुवनेश्वर; डा. पी. राऊत्राथ, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.ए., भुवनेश्वर; डा. ए. गोपालकृष्णन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एन.बी.एफ.जी.आर., लखनऊ; डा. जी. राठौर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एन.बी.एफ.जी.आर., लखनऊ; डा. मनोज पी. ब्राहमणी, सी.आई.एफ.आर.आई., बैरकपुर; डा. परवीन मौर्य, वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.आर.आई., बैरकपुर; डा. टोमस सी. जोसफ, वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.टी., कोच्ची तथा डा. राकेश कुमार, वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.टी., कोच्ची।

**New appointments**

- Shri. B.C. Pandey, Junior Accounts Officer, IVRI, Bareilly was appointed to the post of Assistant Finance and Accounts Officer w.e.f. 29-09-2006.
- Shri. Vijoy Kumar Singh was appointed to the post of T-3 w.e.f. 26-07-2006
- Shri. Amit Kumar Sexana was appointed to the post of T-3 w.e.f. 28-07-2006
- Shri. Manoj Kumar Yadav was appointed to the post of T-i (Driver) w.e.f. 26-07-2006

**Promotions**

- Shri. Sunder Lal, SSG II was promoted to SSG III w.e.f. 12-12-2006
- Shri. Dharam Singh, SSG II was promoted to SSG III w.e.f. 12-12-2006

**नव नियुक्ति**

- श्री बी.सी. पाण्डे की नियुक्ति कनिष्ठ लेखाधिकारी, आई.वी. आर.आई., बरेली से सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी के पद पर दिनांक 29.09.2006 को हुई।
- श्री विजय कुमार की नियुक्ति दिनांक 26.07.2006 को टी-3 के पद पर हुई।
- श्री अमित कुमार सक्सेना की नियुक्ति दिनांक 28.07.2006 को टी-3 के पद पर हुई।
- श्री मनोज कुमार यादव की नियुक्ति दिनांक 26.07.2006 को टी-1 (ड्राइवर) के पद पर हुई।

**पदोन्नति**

- श्री सुन्दर लाल, एस.एस. ग्रेड-II की प्रोन्नति दिनांक 12.12.2006 को एस.एस. ग्रेड-III के पद पर हुई।
- श्री धरम सिंह, एस.एस. ग्रेड-II की प्रोन्नति दिनांक 12.12.2006 को एस.एस. ग्रेड-III के पद पर हुई।

**Published by:** Dr. P.C. Mahanta, Director, National Research Centre on Coldwater Fisheries, Bhimtal - 236136 (Distt. Nainital), Uttarakhand

**Compiled & edited by:** Dr. Yasmeen Basade; **Hindi Translation by:** Shri. A.K. Joshi

NRCCWF NEWS is the official Newsletter of the National Research Centre on Coldwater Fisheries (ICAR), Bhimtal

**Phone:** 05942-247279, 247280; **Fax:** 05942-247693, **Grams:** MAHSEER, Bhimtal (Nainital)

**Printed and designed by:** Yugantar Prakashan (P) Ltd., WH-23, Mayapuri Phase-I, New Delhi-110 064, Ph: 011-2811 5949, 2811 6018